Perquisites: (1) Company's contribution towards Provident Fund; (2) Company's contribution towards Pension/Superannuation Fund; (3) Gratuity; (4) Medical benefits for self and family; (5) Leave Travel concession; (6) Leave; (7) Furnished residential accommodation; (8) Free use of car with driver; (9) Free telephone at residence; and (10) Fees of Clubs.

**बिहार के पिछड़े औद्योगिक क्षेत्र के लिए यातायात की व्यवस्था**

239. **श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के पिछड़े औद्योगिक क्षेत्र में ठोस यातायात की व्यवस्था करने की दिशा में "गिरिडीह से जमुआ, धनवार होते हुए कोडरमा और कोडरमा से हजारीबाग शहर होते हुए रांची रोड" तक बड़ी रेल लाइन बिछाने के लिए यातायात मूल्यांकन सर्वेक्षण कार्य प्रारम्भ हो गया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस में अब तक कितनी प्रगति हुई है ?

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिवनारायण) :** (क) और (ख) : कोडरमा और हजारीबाग टाउन होते हुए रांची रोड और गिरिडीह के बीच प्रस्तावित रेल सम्पर्क के लिए यातायात-एवं-इंजीनियरी मूल्यांकन सर्वेक्षण 1977–78 के बजट में शामिल कर लिया गया है। सर्वेक्षण का काम शीघ्र ही शुरु किया जाएगा।

**IDPL Unit at Balasore**

240. SHRI JENA BAIRAGI: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether there is a proposal for setting up one of the units of IDPL in the coastal district of Balasore in Orissa to bring it on the industrial map of India; and

(b) if so, what steps have been taken and when the project will be taken up?

THE MNISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) and (b). The Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited (IDPL) are examining the possibility of setting up a joint sector drug formulation-*cum* Phyto chemical unit in Orissa in joint participation with the Industrial Promotion Investment Corporation of Orissa Limited (IPICOL). The feasibility report for this unit has yet to be prepared by IDPL. Government will take a decision in regard to the setting up of such a unit depending on the merits of the proposal.

**रेलवे कर्मचारी दल का गठन**

241. **श्री रामलाल राही :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या योजना आयोग की सलाह पर एक रेलवे कार्यकारी दल का गठन किया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस दल के निर्देश पद क्या हैं ?

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) :** (क) जी हां।

(ख) रेलों पर कार्यकारी दल के लिए विचारणीय विषय निम्नलिखित है :—

(i) 1977–78 के अन्त तक रेलों की ढुलाई क्षमता तथा

उसके उपयोग की समीक्षा करना जिसमें मन्द क्षमता की मात्रा तथा संचलन में स्थानिक रूप से खण्डीय और टर्मिनल अड़चनों पर प्रकाश डाला जायेगा।

(ii) आगामी पंचवर्षीय योजना 1978–83 के प्रत्येक वर्ष में माल यातायात के लिए परिवहन की आवश्कताओं का यथार्थवादी आकलन करना। यह आकलन रेलों द्वारा ढोयी जाने वाली प्रमुख वस्तुओं जैसे कोयला, इस्पात कारखानों के लिए तैयार इस्पात और कच्चा सामान, निर्यात के लिए लोह अयस्क, सीमेन्ट, उर्वरक, खाद्यान्न, पेट्रोल और तेल तथा स्नेहक, रेलवे का सामान तथा अन्य सामान्य माल के सम्बन्ध में किया जायेगा। परिवहन की आवश्यकताओं का आकलन प्रारम्भिक टन भार तथा मीटरिक टन किलोमीटर दोनों के अनुसार किया जा सकता है। ऐसा माल यातायात के प्रत्याशित प्रतिमान तथा वहन दूरी को ध्यान में रखकर किया जायेगा।

(iii) आगामी पंचवर्षीय योजना अवधि 1978–83 के प्रत्येक वर्ष में (क) उपनगरीय और (ख) अनुपनगरीय यात्री यातायात की आवश्यकताओं का आकलन करना। अनुपनगरीय यातायात के मामले में गाड़ियों में भीड़-भाड़ कम करने तथा लम्बी दूरी के यात्री यातायात की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जायेगा।

(iv) उपभोक्ता तरजीह, सेवा की लागत आदि के आधार पर रेल, सड़क परिवहन तथा तटीय जहाजरानी के लिए माल और यात्री यातायात निर्धारित करने के लिए नीति संरचना सम्बन्धी सुझाव देना।

(v) आकलित यात्री और माल यातायात के लिए चल स्टाक की आवश्यकता के अनुरूप पंचवर्षीय योजना 1978–83 की अवधि में रेलों के उत्पादन कारखानों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में चलस्टाक के उत्पादन के कार्यक्रम की सिफारिश करना।

(vi) 1977–78 के अन्त तक उपलब्ध होने वाली क्षमता तथा यातायात की प्रक्षिप्त आवश्यकता को ध्यान में रखकर पंचवर्षीय योजना अवधि 1978–83 के प्रत्येक वर्ष के लिए विभिन्न योजना शीर्षकों जैसे चल स्टाक, लाइन क्षमता के काम आदि के अन्तर्गत रेलवे का विकास कार्यक्रम तथा उन पर होने वाले व्यय को प्रतिपादित करना। चूंकि रेल परियोजनाओं के पूरा होने में लम्बा समय लगता है। इसलिए कार्यकारी

दल इसे दस वर्ष की अवधि के परिप्रेक्ष्य में मान सकता है ।

(vii) प्रस्तुत परियोजनाओं कार्यक्रमों के निष्पादन में योजना अवधि के दौरान तथा उनके पूरा हो जाने के बाद कर्मचारियों की विभिन्न कोटियों में होने वाली सम्भावित सीधी नियुक्तियों को श्रमिक दिनों में बताना ।

(viii) पंचवर्षीय योजना के प्रत्येक वर्ष के लिए सभी प्रकार के सामान और उपस्कर की आवश्यकता बताना तथा यह बताना कि वे कितनी मात्रा में देशी साधनों से बड़े उद्योगों और लघु उद्योगों से अलग-अलग प्राप्त हो सकेगा तथा कितनी मात्रा में निर्यात करना होगा ।

(ix) विकासात्मक रेल लाइनों में निवेश के सम्बन्ध में अपनाने के लिए नीति की सिफारिश करना ।

**Robbing of Passengers of Kasganj-Kanpur Section of N. E. Railway**

242. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:

SHRI AHMED M. PATEL:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether passengers of the Kasganj-Kanpur section of the North-Eastern Railway were robbed of the belongings on the night of 11th October, 1977; and

(b) if so, the total loss of life and property and the necessary actions likely to be taken to prevent such happenings?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No passenger was robbed of anything on the Kasganj-Kanpur Section on 11-10-77. However, one unarmed RPF Rakshak escorting 115 UP Passenger during the day challenged four criminals who were cutting rexine cloth in a 1st Class coach. The criminals beat the Rakshak and robbed his cap and Rs. 50/- cash and did not allow him to get down at the next halt. All the four criminals got down when the train started from Patiali Railway Station. The Government Railway Police, Kasganj have arrested two criminals and are pursuing investigation.

(b) There was no loss of life or property. This was a stray incident and all efforts are being taken to bring the culprits to book.

**हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से नई गाड़ियों को चलाने का प्रस्ताव**

243. **श्री यशवन्त शर्मा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से कोई नई गाड़ियां चलाने का सरकार का प्रस्ताव है जिससे इन राज्यों को राजधानी दिल्ली, कलकत्ता और बम्बई जैसे बड़े शहरों से जोड़ा जा सके; और

(ख) यदि हां, तो इस प्रकार की गाड़ियां कब और कहां से चलाई जायेंगी ?

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण)** : (क) और (ख). दिल्ली और फिरोजपुर के बीच एक गाड़ी चलाने के प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है ।